

देशभर में नीट समेत अन्य परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र लीक होने पर बवाल मचा है। इस मुद्दे पर आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने शहर के छात्रों और अभिभावकों से उनके विचार जानने का प्रयास किया। राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में आयोजित संवाद में सैकड़ों की संख्या में छात्र, उनके अभिभावक और शिक्षाविद शामिल हुए। सभी ने एक सुर में कहा कि देश में इन्हीं बढ़ी परीक्षा का प्रश्न-पत्र लीक होना चिंता का विषय है। नीट परीक्षा देने के लिए देशभर में 24 लाख से अधिक छात्र अलग-अलग केंद्रों में शामिल हुए। वर्षों की मेहनत के बाद कोई परीक्षा में शामिल होता है। ऐसे में अगर देश की इस प्रतिष्ठित परीक्षा पर सवाल उठाते हैं, तो सरकार का यह दायित्व बनता है कि सबसे पहले इसके दोषियों पर कार्रवाई करे।



विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक मामले को लेकर राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के सभागार में बुधवार के संवाद कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। भौके पर बढ़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। • नवीन

परीक्षाओं की विश्वसनीयता लौटाना बहुत जरूरी

धनबाद, प्रमुख संवाददाता।

आपने अखबार हिन्दुस्तान की ओर से नीट समेत अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक मुद्दे को लेकर आयोजित संवाद में बताते थे ने पेपर लीक को संगठित एवं अपराध के लिए संस्कार कर दें कानून बनाए। कानून का डार ही लोगों को छात्रों के भविष्य से खिलावाड़ करने से रोकेगा। लाखों छात्र और उनकी मेहनत के साथ खिलावाड़ हुआ है। परीक्षा प्रदाता में सुधार करके ही दोबारा ऐसी घटनाओं को रोका जाए।

राजकमल स्कूल सभागार में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में शहर के शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया। गोल इंसाइट्टूट के सेंटर हेड संजय आनंद ने कहा कि रिजल 14 पर फैसला था, तो फिर उसे आनंद-फानाम में चार जन के बीच निकाला गया। चार जून की लोकसभा चुनाव का परिणाम आ रहा था, आखिर इन्हीं ने तेजी बच्चों के दिखाई गई है। एनटीए को इसकी जावेदारी लेने की मेहनत को पेपर लीक ने खिलाफ दिया। आज रिश्ते बहुत हो गई हैं जिन बच्चों के 702 नंबर आए हैं, उनका भी देश के टॉप-10 कालेज में नामांकन नहीं होगा। सरकार ने ग्रेस मार्कस देकर परीक्षा को चिकादों में बदल दिया। उन्होंने बच्चों से कहा कि इससे धरती नहीं होती।

राजकमल स्कूल सभागार में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में शहर के शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया। गोल इंसाइट्टूट के सेंटर हेड संजय आनंद ने कहा कि रिजल 14 पर फैसला था, तो फिर उसे आनंद-फानाम में चार जन के बीच निकाला गया। चार जून की लोकसभा चुनाव का परिणाम आ रहा था, आखिर इन्हीं ने तेजी बच्चों के दिखाई गई है। एनटीए को इसकी जावेदारी लेने की मेहनत को पेपर लीक ने खिलाफ दिया। आज रिश्ते बहुत हो गई हैं जिन बच्चों के 702 नंबर आए हैं, उनका भी देश के टॉप-10 कालेज में नामांकन नहीं होगा। सरकार ने ग्रेस मार्कस देकर परीक्षा को चिकादों में बदल दिया। उन्होंने बच्चों से कहा कि इससे धरती नहीं होती।

10 बजे 30 मिनट पर संवाद कार्यक्रम शुरू किया गया।

11 वीं-12वीं के छात्रों ने संवाद में शामिल होकर रखी अपनी-अपनी बातें

कालूब का डार ही माफियाओं को छात्रों के विषय से खिलावाड़ करने से रोकेगा

राजकमल स्कूल सभागार में हिन्दुस्तान की आर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में अभिभावकों ने मी परीक्षा प्रदाता पर बदलाव के दिए सुझाव

बैलेन्स से सफलता का पैमाना नापा जा रहा है। उन्होंने कहा कि 19 राज्यों में 64 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। वह एक संगठन अपराध का रूप ले रहा है। कम समय में पैसे कमाने की खूब लोगों को ऐसे अपराध कर करा रही है। बीबीएप्सेक्यू के पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ एस्कॉपिंग सिन्हा ने कहा कि हमारे जामाने में नंबर के आधार पर इंजीनियरिंग-मेडिकल में एडमिशन होता था। लेकिन सरकार ने व्यवस्था बदलते हुए पहले पैण्टीटी, फिर अटेंडेंटी और इसके बाद नंबर के आधार पर योग्य छात्रों का वर्णन नहीं होना दुर्भाग्यवृण्ण है।



शीतल : छात्रों की आवाज बनने के लिए हिन्दुस्तान को धृत्याद। आर एवं अगर लेने के बाद रखी रही है, तो दूसरी एंजीनी के लिए परीक्षा परिणाम जारी किया गया।



निकिता महतो : 14 जून को जारी होने वाला एवं अगर लेने के बाद रखी रही है, तो दूसरी एंजीनी के लिए परीक्षा परिणाम जारी किया गया।



अदिती : मेडिकल प्रवेश परीक्षा का प्रश्न-पत्र लीक होने के बाद अब एनटीए की विश्वसनीयता पर सवाल उठ गया है। ग्रेस मार्कस वर्षों द्वारा दिया गया।



दिव्या सिंह : स्कूल की परीक्षा का प्रश्न-पत्र लीक होना होता है, तो जाता को क्षेत्र हो गया? एनटीए सुपरवायरर, सेंटर, बैंक मेनर अन्य की जिम्मेदारी तय हो।



श्रद्धा केशरी : परीक्षाधियों को लेट होने पर जब बढ़ी ही नहीं मिलती है, तो सेंटर पर विलब हुआ कहा। एस मार्कस को साल में दो बार लिया जाए।



आर्य चट्टग्राम : जेईई मेन की तर्ज पर उम्र सीमा का निर्धारण हो। बीबीएप्सेक्यू के पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ एस्कॉपिंग सिन्हा ने कहा कि हमारे जामाने में नंबर के आधार पर इंजीनियरिंग-मेडिकल में एडमिशन होता था। लेकिन सरकार ने व्यवस्था बदलते हुए पहले पैण्टीटी, फिर अटेंडेंटी और इसके बाद नंबर के आधार पर योग्य छात्रों का वर्णन नहीं होना दुर्भाग्यवृण्ण है।



कुंदन केशरी : एनटीए के कारण छात्र-छात्राओं व अभिभावकों का मोबाइल टूट गया। इसनी मेहनत के बाद वीर योग्य छात्रों का नियम नहीं लागता। एस मार्कस को बढ़ी ही नियम होना चाहिए। इससे योग्य छात्रों की जिम्मेदारी नहीं हो।



यशराज : सबसे बड़ा सवाल है कि एनटीए ने एक साल में योग्य छात्रों का वर्णन दिया। एक साल में योग्य छात्रों को नियम नहीं लागता। एस मार्कस को बढ़ी ही नियम होना चाहिए।



आलोक ओड़ा : प्रश्न-पत्र लीक मामले में यह सब दिख गया। एनटीए में योग्य छात्रों को अन्य की ओर से एंजीनीरिंग-मेडिकल पैण्टीटी में नहीं होना चाहिए। इससे योग्य छात्रों की जिम्मेदारी नहीं हो।



अनुरुद्ध कुमारी : प्रश्न-पत्र लीक होने के कारण छात्र-छात्राओं का आपस में तालेमत जरूरी है। एनटीए में पैण्टीटल पैण्टीटमेट नहीं होना चाहिए। इससे योग्य छात्रों का वर्णन नहीं हो।



श्रेयांका कुमारी : प्रश्न-पत्र लीक होने के बाद अब साइंस लेकर पैडाई के एनटीए पर योग्य छात्रों को एंजीनीरिंग-मेडिकल में नहीं होना चाहिए। एस मार्कस को बढ़ी ही नियम होना चाहिए।



पलक सिंह : प्रश्न-पत्र लीक होने के बाद अब साइंस लेकर पैडाई के एनटीए पर योग्य छात्रों को एंजीनीरिंग-मेडिकल में नहीं होना चाहिए।



रोशन कुमार : एनटीए का कार्टऑफ प्रयोगेक साल में दो बार होना चाहिए। एस मार्कस को बढ़ी ही नियम होना चाहिए। एनटीए में योग्य छात्रों को एंजीनीरिंग-मेडिकल में नहीं होना चाहिए।



किशन सिंह : नीट परीक्षा साल में दो बार होनी चाहिए। प्रश्न-पत्र लीक होने के बाद एनटीए में योग्य छात्रों को एंजीनीरिंग-मेडिकल में नहीं होना चाहिए।



अनुच्छा : मेरा सुझाव तो यही है कि सीबीएसई की मेडिकल परीक्षा नीट का आयोजन करे।



प्रेरणा मुर्मु : एनटीए के पैडाई एप्रेशन परीक्षा फिर से लेनी चाहिए। री-एग्राजम नहीं होने वाले एंजीनीरिंग-मेडिकल के विश्वास टूट जाएगा। रूरे साल छात्र मनलगारक मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तेजीरी करते हैं।



अनुच्छा हांसदा : पूरी परीक्षा प्राणिली की बेहतर करने की जरूरत है। विश्वास तो नहीं होते हैं। एनटीए छात्र-छात्राओं की विश्वास टूट जाएगा। एस करने से छात्रों का मोबाइल बढ़ेगा।



अंजलि सिंह : नीट के लिए एक डेंगु की जिम्मेदारी की विश्वास एसईएसई की तो यह

पहली तिमाही में संतोषजनक वृद्धि, दूसरी में मॉनसून का डर

धनबाद, विशेष संवाददाता। पहली तिमाही यानी अग्रिम से जून तक कोल सेक्टर में संतोषजनक वृद्धि दर देखने को मिली। अब दूसरी तिमाही में कोयला क्षेत्र पर मॉनसून का साया है। जुलाई से सिरंटर तक कोयला उत्पादन व डिस्चैप्र प्रभाव ठोगा। इन महीनों में उत्पादन तक कोयला उत्पादन व डिस्चैप्र प्रभाव ठोगा। इन महीनों में कोयला उत्पादन पर असर पड़ता है।

पावर प्लांटों में कोयले की कमी सहित अन्य समस्याएं होती हैं। वैसे दबा किया गया है कि पावर प्लांटों में कोयले का स्टॉक ठीक (18.5 दिन) है। बहुत कोल इंडिया के पास भी मॉनसून ठीक से निकल जाए।



- पहली तिमाही में 189.29 मिलियन टन, दूसरी अवधि में पिछले साल 175.48 मिलियन टन था
- तमाम तेलारियों के बाद भी बारिश में खुली खदानों में कोयला उत्पादन होता है प्रमाणित

उतना कोयला स्टॉक है। पावर प्लांट व कोल इंडिया के पास बहुमान में कोयले का कुल स्टॉक लगभग 95 मिलियन टन का है। कोल इंडिया का उत्पादन 2024 की पहली तिमाही में 189.29 मिलियन टन के साथ नई उच्चायों पर पहुंच गया, जो लगभग 8% की वृद्धि के साथ 2023 की

पहली तिमाही में 175.48 मिलियन टन था। बात जून 2024 में भारत का कोयला उत्पादन की कोंते 184.63 मिलियन टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 14.49% की वृद्धि है, जब वह 57.96 मिलियन टन था। इसके अंतिरिक्त, जून 2024 में कैपिटिव/अन्य द्वारा कोयला उत्पादन

कोयला मंत्री ने निर्माण पोर्टल लांच किया

धनबाद। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किंगम रेडी ने निर्माण पोर्टल लांच किया। सिविल सेगमेंट पीपी पास का उत्कर्ष पाल के मध्यम से कोल इंडिया में एक लाख रुपए की प्रोत्साहन योग्यता पाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मात्रम ही कि कोल इंडिया ने अधिक रुप से कामजोर अधर्थी जो यूपीएससी पीपी की प्रीक्षा पास किए हैं उनको एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है।

लिमिटेड (सीआईएप्ल) ने 63.10 मिलियन टन (अनंतिम) कोयला उत्पादन हासिल किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.87% की वृद्धि है, जब वह 57.96 मिलियन टन था। इसके अंतिरिक्त, जून 2024 में कैपिटिव/अन्य द्वारा कोयला उत्पादन

16.03 मिलियन टन (अनंतिम) है, जो पिछले वर्ष से 55.49% की वृद्धि दराताहै, जो 10.31 मिलियन टन था। जून 2024 में भारत का कोयला प्रेषण 85.72 मिलियन टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.15% अधिक है।

डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति रद्द होने से अस्पताल की व्यवस्था चरमराई सदर अस्पताल में डॉक्टरों की किमी, इलाज मुश्किल

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। पीजी बांड के तहत धनबाद मेडिकल कॉलेज में पदस्थापित डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति रद्द होने से सदर अस्पताल की चिकित्सीय व्यवस्था चम्पारा जाएगी। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी होनी तय है। इसका प्रसव से लेकर सर्जरी तक पर असर पड़ेगा। सरकार द्वारा प्रतिनियुक्ति रद्द किए जाएंगे। सदर अस्पताल की कमी पूरी करने और अस्पताल को निर्वाचित करने की जुगत में लगा है।



इस केंद्रों में पदस्थापित एन्सर्सीसिया के डॉक्टरों की रोस्टर द्यूटी लेगी, ताकि सदर अस्पताल में मरीजों की सर्जरी और प्रसव प्राप्तवात हो। इसके लिए सिविल सर्जन को लिखा जा रहा है। बाकी विभागों को लेकर भी कुछ व्यवस्था की जाएगी।

-डॉ. राजकुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी, सदर अस्पताल

किसी विभाग पर क्या पड़ेगा असर

गायनी : यहां से एक डॉक्टर के घले जाने से एक तीन डॉक्टर आंख की परेशानी लेकर आने वाले मरीजों का इलाज करेंगे।

सर्जरी : यहां भी दो डॉक्टर थे। एक घले जाएंगे, सिर्फ एक वर्षों। इसका असर यह होने वाले मरीजों की सर्जरी पर मरीजों को लेड और ऑफिसर भी है। मरीजों की सर्जरी में परेशानी होगी।

ईन्टरी : विभाग में सिर्फ एक डॉक्टर थे, जो घले जाएंगे। इसका असर नहीं हो जाएगा।

पार्टी : ओर से 16 सूची मांग-पत्र नगर आयुक्त को सौंपा गया। आजसू नेताओं ने हॉलिंग टैक्स लेने में गांधी को अनुशंसा की जाएगी। जेल आईजी सुदूरशन प्रसार मंडल के आदानप्रदान वर्ष 2023 के अनुशंसा पैकेट के अनुशंसा की अनुशंसा की जाएगी। जेल आईजी सुदूरशन प्रसार मंडल के आदानप्रदान वर्ष 2023 के अनुशंसा पैकेट के अनुशंसा की जाएगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लाएं तेजी: उपायुक्त

समीक्षा बैठक

सत्यापन, बूथरेशनलाइजेशन, लंबित फॉर्म 6, 7 एवं 8 तथा एप्लायफ समेत अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई। उहोंने इंशारों व एपीआरओ को कार्य की तरीकों को निर्देश दिया। डॉसी औपरिस के सभागार में बुधवार के दिन उहोंने एक बैठक की जो उपरोक्त वर्ष के दिन उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड तक करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए उत्तराखण्ड के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्मी को दूर करने की उपरोक्त करने की निर्देश दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम के लिए सभी बोलांओं को घर-घर जाकर बोलां तक चले गए लोगों से अपराध या दुश्म

हर काम में काम के हैं ये हुनर

बीते दो-तीन सालों में ट्रांसफरेबल स्किल सेट यानी किसी भी नौकरी में उपयोगी साधित होने वाले कौशलों पर बहुत जोर है। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि जब तकनीकी कौशल के मौके सबके पास हों, तो आपके कुछ अलग ही हुनर मौके पर काबिज होने के लिए काम आते हैं। क्या हैं ये हुनर और कैसे इन्हें पहचानें, बता रहे हैं **अमन सिंह**

एक अध्ययन कहता है कि कामकाजी दुनिया में वर्ष 2030 तक तुनामक रूप से हर साताह प्रॉब्लम सॉल्यूशंग में 90 फीसदी ज्यादा समय दिया जा रहा होगा और क्रिटिकल थिंकिंग के कामकाजी को 40 फीसदी बढ़ावा दितेवाल किया जायगा। जाहिर है कि नौकरी में भविष्य के लिए उपयोगी कौशलों की ज्ञालक पेश करते हैं ये आंकड़े। यह भी ध्यान रखना होगा कि जब जगत में होके के पास तकनीकी स्किल्स के मौके बढ़े हैं, ऐसे में प्रतियोगिता बढ़ी है। वहाँ अचानक मंदी और कंपनियों में छन्नी जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसीलिए जरूरी है कि खुद को किसी भी कार्यक्षेत्र में समाचारित होने लायक बनाएं। इकाकी समाधान देते हैं ट्रांसफरेबल स्किल्स। एक अध्ययन में 75 फीसदी नियोक्ताओं ने माना कि वे नए उपयोगिताओं के तकनीकी स्किल्स पर ज्यादा ट्रांसफरेबल स्किल्स पर ध्यान लगाया हैं।

क्या हैं ये ट्रांसफरेबल स्किल्स

इन्हें सॉफ्ट स्किल्स में रखा जाता है औ इन्हें परेंटेल स्किल्स या एंट्रायर्डिली स्किल्स के नाम से भी जानते हैं। ऐसे सॉफ्ट स्किल्स होते हैं, जो किसी एक विशेष नौकरी के साथ ही दूसरी अलग तरह की नौकरी में भी आसानी से उपयोगी साधित होते हैं और आपको जमे रहने में मदद करते हैं। अनलाइन प्लॉटकॉर्म कोर्सों के अनुसार ऐसे कुछ स्किल्स हैं:

आनोचनाकारक सॉफ्ट : वर्ल इकोनॉमिक फॉरमें के अनुसार महामारी के बाद से नौकरियों में क्रिटिकल थिंकिंग पर बहुत जोर दिया जा रहा है। विजेनेस, हेल्थकेर, टेक्नोलॉजी, एजुकेशन जैसे हर अभ्यं क्षेत्र में इनकी जरूरत पड़ती है। इनके कारण आप किसी भी जनकारी का लेखण, कामकाज के उससे बंधित समाधान या संभालाएं निकल पाते हैं।

समस्या-समाधान : डिजिटल तकनीक, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, मार्केटिंग, एजुकेशन, हेल्थकेर के लिए अनेक तरह के कामकाज में यह स्किल बहुत उपयोग हो रहा है। एक

85%

करियर की सफलता हमारे ट्रांसफरेबल सिक्लस पर निर्भर करती है, एक अनुसार

अध्ययन में 86 फीसदी नियोक्ताओं ने युवाओं के रिज्यूमे में इस स्किल को तलाशा। विजेनस के लिये एक समयों की तारीख होते हैं, जिसमें संबंधित मुद्दों को समझने और उनके समाधान का अपेक्षित होता है।

अनुकूलनशीलता : यह स्किल व्यक्ति को नई परिस्थितियों में शीघ्रता से अनुकूलन करने में सक्षम बनाता है। नौकरी का क्षेत्र बदलने पर, फ्रेशर के तौर पर नौकरी में या नई तकनीकों का माध्यम से कामकाज करने में इस तरह के स्किल्स आपको दमदार कर्मचारी बनाते हैं।

छोटी बातों पर ध्यान : इस स्किल के साथ काम में गलतियां होने की जुँगाला कम होती है और गुणवत्तपूर्ण काम होता है। जैसे पेडिटिंग, प्रोग्रामिंग, कॉलेटिंग के लिए।

टीम कर्किण : अधिकारक काम टीम में कार्ड विभागों के साथ मिलकर करने होते हैं। टीम में बिना बाधा बने, एक लक्ष्य के लिए काम करने का गुण आपको अच्छा कर्मचारी बनाता है।

प्रबन्धन : इसमें आपको के समय का प्रबन्धन ही नहीं, कामकाजी विशेषताएं, संबंधित लोगों को मैनेज करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण है। इस तरह उत्पादकता बढ़ती है।

व्यक्ति की मांग ये तकनीकी स्किल्स भी

■ कंप्यूटर स्किल्स : माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल्स द्वारा आपको अन्य क्षेत्रों में भी काम का सावित करेंगे।

■ डेटा एनालिसिस : फाइंस, मार्केटिंग और हेल्थकेर में डेटा एनालिसिस के क्षेत्र की ज्ञानकारी होना आपको भी बहुत महत्व दिया जाता है। जैसे माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल स्प्रेडशीट्स, डेटा विजुअलाइजेशन टूल्स आदि।

■ कॉडिंग : कॉडिंग सीखने में आसान होती है।

■ विदेशी भाषा की ज्ञानकारी : किसी भी एक डिजिटल दौर में कॉडिंग की ज्ञानकारी होना आपको किसी भी क्षेत्र में ऑलराउंडर बनाएगा।

■ रिमोट कामकाज के तरीके : अब रिमोट वर्किंग से भी कामकाज हो रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट लेटर्कॉर्म में दस्ता और मजबूत कामकाजी विशेषता का गुण भी आपका हुनर माना जाएगा।

■ नौकरी के बारे में दी गई जानकारी, उसकी विशिष्ट जिम्मेदारियों और कंपनी के बारे में विस्तार से पढ़ें। उसमें जिन स्किल्स की बात कही गई है, उन्हें अपनी सूची से मिलाएं। इस सूची में जो स्किल नौकरी के लिए उपयोगी लगे, उन्हें जिज्यूमे में लिखें। ■ संबंधित ट्रांसफरेबल स्किल से जुड़े सर्टिफिकेशन या उपलब्धियों या अनुभवों का जिक्र जरूर करें। ■ ऐसा करते समय उन्हीं की वॉर्डस और जुमलों में अपनी बात लिखें, जो नौकरी के विज्ञापन में उपयोग हुए हैं, ताकि एलीकैंप्ट ट्रैकिंग सिस्टम में आपका आवेदन अर्थव्यक्त होने की गुणाला ना रहे।

57

फीसदी, नौकरी के लिए आवेदन करने वालों में से, अपने ट्रांसफरेबल स्किल्स से परिचित नहीं होते हैं। इन्हें पहचान और कमज़ोर पक्ष को वर्कशॉप, अभ्यास, वाल्टरियर प्रोजेक्ट्स, Coursera, edX, Khan Academy, Alison आदि के अनलाइन निश्चुल कार्स से सुधारें।

ऐसे जानें अपने ट्रांसफरेबल स्किल

फोर्स के अनुसार कुछ तरीकों से आप अपने इन कौशलों को पहचान सकते हैं।

ऑफिस में रोज़े के कामों की सूची बनाएं

■ इसमें उन कामों की भी लिखें, जो आपके पास के लोग आमतौर पर नहीं करते। इसमें दस्तावेजों का अपना रिकॉर्ड रखना या प्रेजेंटेशन बनाना आदि हो सकते हैं।

अपने मजबूत पक्षों का आकलन करें

■ देखें कि सुपरवाइजर या टीम आपको किन कौशलों के लिए याद रखते हैं।

■ एसे काम, जिन्हें करने पर अहसास ही नहीं होता कि आपने काम किया।

■ एसे काम जिनमें बिल्कुल भी घराहट नहीं होती।

रोज़े के ऐसे काम, जिन्हें करना पसंद करते हैं

■ हो सकता है कि आप अपनी वर्तमान जॉब से खुश नहीं, पर इससे संबंधित कामकाज के कुछ दिस्त्रों को करने में आप खुशी महसूस करते होंगे। इस सूची में दर्ज हुए कामों से संबंधित काशल आप अपने रिज्यूमे में पेश कर सकते हैं।

वक्त की मांग ये तकनीकी स्किल्स भी

■ कंप्यूटर स्किल्स : माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल्स द्वारा आपको अन्य क्षेत्रों में भी काम का सावित करेंगे।

■ डेटा एनालिसिस : फाइंस, मार्केटिंग और हेल्थकेर में डेटा एनालिसिस के क्षेत्र की ज्ञानकारी होना आपको भी बहुत महत्व दिया जाता है। जैसे माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल स्प्रेडशीट्स, डेटा विजुअलाइजेशन टूल्स आदि।

■ कॉडिंग : कॉडिंग सीखने में आसान होती है।

■ विदेशी भाषा की ज्ञानकारी : किसी भी एक डिजिटल दौर में कॉडिंग की ज्ञानकारी होना आपको किसी भी क्षेत्र में आपके लिए एक बड़ा हुनर माना जाएगा।

■ रिमोट कामकाज के तरीके : अब रिमोट वर्किंग से भी कामकाज हो रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट लेटर्कॉर्म में दस्ता और मजबूत कामकाजी विशेषता का गुण भी आपका हुनर माना जाएगा।

■ नौकरी के बारे में दी गई जानकारी, उसकी विशिष्ट जिम्मेदारियों और कंपनी के बारे में विस्तार से पढ़ें। उसमें जिन स्किल्स की बात कही गई है, उन्हें अपनी सूची से मिलाएं। इस सूची में जो स्किल नौकरी के लिए उपयोगी लगे, उन्हें जिज्यूमे में लिखें। ■ संबंधित ट्रांसफरेबल स्किल से जुड़े सर्टिफिकेशन या उपलब्धियों या अनुभवों का जिक्र जरूर करें। ■ ऐसा करते समय उन्हीं की वॉर्डस और जुमलों में अपनी बात लिखें, जो नौकरी के विज्ञापन में उपयोग हुए हैं, ताकि एलीकैंप्ट ट्रैकिंग सिस्टम में आपका आवेदन अर्थव्यक्त होने की गुणाला ना रहे।

■ एक विविध विषयों के बारे में विशेषज्ञ होना आपको अपने लिए अचिक्षित करने के लिए उपयोगी लगाए। जैसे एलाइनेज ट्रैकिंग सिस्टम में विविध विषयों की जानकारी ले सकती है। इन सूची में जो स्किल नौकरी के लिए उपयोगी लगे, उन्हें जिज्यूमे में लिखें। ■ एसे काम के लिए उपयोग करने के लिए एक बड़ा सारांश है। इसमें जिन स्किल्स की बात कही गई है, उन्हें अपनी सूची स

